Patrika (Indore), 05th September 2023, Page – 10

पीएचडी गाइड ने मदद कर संवार दी जिंदगी

प्रो. सुहास जोशी,
निदेशक, आइआइटी-इंदौर

गुरु व्यक्तित्व तराशते हैं। गुरु आपके शिक्षक, माता-पिता, मित्र, शत्रु, बच्चे यहां तक की पशु और प्रकृति भी हो सकते हैं। मेरे लिए मेरे गुरु पीएचडी गाइड थे, जिन्होंने मेरी जिंदगी संवार दी। पीएचडी के शुरुआती दिनों में उन्होंने आसान सवाल पूछने पर गुस्सा किया था। यहां तक कि उन्होंने मुझसे बातचीत तक बंद कर दी थी। इससे मुझे अपनी गलती का अहसास हुआ और मैं प्रत्येक सवाल के तीन-चार संभावित उत्तर लेकर उनके पास जाने लगा। इस घटना ने मुझे बहुत सिखाया। मेरे आत्मविश्वास में धीरे-धीरे सुधार आया और आज मैं इस मुकाम पर हूं। पीएचडी गाइड द्वारा मुझे हतोत्साहित करने से एक सबक मिला कि जब कभी शिक्षक आपका तिरस्कार करते हैं तो उनकी असल मंशा समझें और उसमें से सकारात्मकता तलाश कर आगे बढ़ें। क्योंकि, शिक्षक अपने शिष्य को आगे बढ़ाने के लिए नारियल की तरह काम करता है। ऊपर से कठोर होने का अनुभव कराते हुए अंदर से कोमलता के साथ उनका भविष्य तैयार करता है। उनका मकसद शिष्यों को संपूर्ण बनाना होता है।